बहुआयामी पत्रिका

सीएसआईआर-निस्केयर द्वारा हिन्दी भाषा में प्रकाशित होने वाली मासिक पत्रिका विज्ञान प्रगति ने निरन्तर 63 वर्षों से अपनी विकास यात्रा में करोड़ों लोगों को नई-नई जानकारियां देने के साथ-साथ अपने पाठकों को सफलता के शिखर पर भी पहुंचाया है। प्रतियोगी परीक्षाओं के दुर्लभतम् सवालों के जो जवाब और कहीं नहीं मिलते हैं वे भी विज्ञान प्रगति में आसानी से मिल जाते हैं। इसके लिए जरूरी है कि इसकी प्रतियों को सहेजकर क्रमबद्ध रूप में रखा जाए। मुझे जब भी किसी प्रतियोगी परीक्षा के लिए ज्ञान-विज्ञान की जानकारी करनी होती है तो उसके लिए विज्ञान प्रगति के पुराने अंकों से बहुत सहयोग मिलता है। दिसम्बर 2014 का अंक श्रेष्ठतम लगा। बात इसरो के भविष्य मिशन की हो, एक नज़र अग्निशमन उपकरणों की, नोबल पुरस्कार 2014, सम्मान एवं पुरस्कार पर विशेष सामग्री, इन सभी स्तंभों ने इस अंक को बहुआयामी व बहुउपयोगी बना दिया है।

कुछ समय पहले तक आग बुझाने के लिए बालू भरी बाल्टी व पानी ही दिखाई देते थे, लेकिन आज एक से बढ़कर एक उपकरण है जो पलक झपकते ही आग पर काबू पाने में सक्षम होते हैं। आग की भयावहता किसी से छिपी नहीं है। चर्चित अग्निकाण्डों में बॉर्डर फिल्म के दौरान दिल्ली के 'उपहार' सिनेमा हाल में लगी आग की बात हो या दिल्ली के 'विज्ञान भवन' की, ऐसे और भी न जाने कितने मामले हैं जिनमें आग ने अपार जन-धन की हानि पहुंचाई है। आग पर नियंत्रण के लिए 'अग्नि शमन विभाग' बना हुआ है, जो इसके लिए विशेष प्रशिक्षण प्राप्त करके दक्ष टीम के साथ प्रत्येक जनपद में गाड़ियों व अनेकानेक उपकरणों के साथ रहता है। विज्ञान प्रगति के पाठक वर्ग शहरों व ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में समान रूप से हैं। इसे हरेक आयु वर्ग के लोग रुचि से पढ़ते हैं। यह पत्रिका सरल व सहज भाषा में महत्वपूर्ण जानकारियों के साथ होती है। दिसम्बर 2014 अंक के ज्ञान से स्वयं लाभान्वित होने के साथ-साथ मैं और लोगों को भी जागरूक करने का प्रयास करूंगा। उत्कृष्टतम् अंक की शानदान प्रस्तुति के लिए सादर आभार।

श्री पौरूष उपाध्याय 'हिमांशु जी', शिवहर्ष किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय परिसर, सिविल लाइन्स, बस्ती, जनपद-बस्ती 272 001 (उ.प्र.)
[मो. : 09044591099, 07275256233]

ज्ञान का भंडार

मैं विज्ञान प्रगति का नियमित पाठक हूं। मैं जब भी विज्ञान प्रगति का नया अंक पढ़ता हूं तो उसमें मुझे कुछ न कुछ नया ही मिलता है। इससे ज्ञान में बढ़ोतरी होती है। मैं इस वर्ष आई.ए.एस. व आर.ए.एस. की परीक्षा दे रहा हूं। इन परीक्षाओं के लिए विज्ञान प्रगति अति उपयोगी साबित हो रही है। इस पत्रिका के माध्यम से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में ज्ञान बढ़ता है। विज्ञान प्रगति में जो लेख प्रकाशित होते हैं, वे प्रतियोगी परीक्षाओं के दृष्टिकोण से अत्यंत उपयोगी होते हैं। विज्ञान प्रगति के दिसम्बर 2014 वाले अंक में नोबल पुरस्कार 2014 पढ़कर बहुत अच्छा लगा। सुलेखा जी का लेख 'पर्यावरण संरक्षण और भारतीय नारी' बहुत अच्छा लगा। 'मंगल मिलन मंगल का' बहुत ज्ञानवर्धक लगा। मेरी तरफ से विज्ञान प्रगति की टीम को धन्यवाद।

श्री लवकेश कुमार शर्मा, सुपुत्र श्री सुभाष शर्मा, वी.पी.ओ. चक महाराज का, जि.- श्रीगंगानगर 335 001 (राजस्थान)
[मो. : 07742218787;
ई-मेल : love.koki23@gmail.com]

सफलता की उड़ान, हमारा विज्ञान

विज्ञान प्रगति का नवम्बर 2014 का फोरेंसिक साइंस पर विशेष अंक काफी दिलचस्प रहा। इसके लिए सर्वप्रथम विज्ञान प्रगति के संपादक एवं इस अंक से जुड़े लेखकों का मैं धन्यवाद करता हूं। किसी रहस्यमय घटना का सुनना जितना आश्चर्यजनक होता है उससे कहीं ज्यादा उस घटनाक्रम का खुलासा होता है। फोरेंसिक साइंस की भूमिका अपराध जगत में महत्वपूर्ण है लेकिन किस हद तक है, यह पहली बार इस विशेषांक के माध्यम से मालूम हुआ है। फोरेंसिक साइंस की कितनी संस्थाएं हैं, वे किन-किन रूपों में प्रयोग में आती हैं, इन सभी पहलुओं से पहली बार अवगत हुए। आज अपराध जगत की गतिविधियां बहुत तेजी से बढ़ रही हैं लेकिन अपराधी फोरेंसिक साइंस के चलते कहीं से भी भयमुक्त नहीं हैं। लेकिन थोड़ी देर से ही सही परन्तु वह एक दिन कानून के शिकंजे में आता जरूर है। 'विज्ञान' पत्रिका द्वारा सौ वर्ष पूरे करना मील का पत्थर रहा है। जीएसएलवी का सफलतापूर्वक सफर, भारत का मंगल अभियान, इसरो ने बनाया विश्व कीर्तिमान ज्ञानवर्द्धक लेख लगे। मंगल अभियान की सफलता ने हमें विश्व पटल पर एक सशक्त पहचान दी है जिससे हर भारतीय अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

श्री सुशील कुमार सिंह, (प्र.अ.), प्रा. वि. कलानी कला, वि. क्षे.- विक्रमजोत-बस्ती (उ.प्र.)
[मो. : 09889633381]

आकर्षक पत्रिका

मैं विज्ञान प्रगति का नियमित पाठक हूं। विज्ञान प्रगति अपने सारगर्भित स्पष्ट शुद्ध लेखों, आकर्षक चित्रों व आकड़ों के माध्यम से तथ्यों को बताने में दक्ष है। दिसम्बर 2014 के अंक में प्रकाशित पर्यावरण संरक्षण और भारतीय नारी, मंगल मिलन मंगल का, इसरो : भविष्य के मिशन आदि लेख बहुत अच्छे लगे। इसी अंक में तृप्ति पाण्डेय द्वारा लिखित विशेष लेख 'नोबल पुरस्कारों के 113 वर्ष महिलाओं की भागेदारी मात्र पांच प्रतिशत' एवं सवाल जब जब, जवाब तब तब, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् के बढ़ते कदम और विज्ञान प्रश्न एवं विज्ञान क्विज़ बहुत ही ज्ञानवर्द्धक लगे।

श्री नमूना पड़ित, सुपुत्र श्री रामा पड़ित, ग्राम - खाप मिश्रौली, पोस्ट-शाहपुर, जिला-सीवान 841 243 (बिहार)
[मो. : 08298469450]

पसंदीदा पत्रिका

मैं विज्ञान प्रगति का नियमित पाठक हूं तथा यह हमेशा से मेरी प्रिय पत्रिका रही है। मैं आई.टी.आई. (पूसा) का अंतिम वर्ष का छात्र हूं तथा विज्ञान से इण्टर करने पर मुझे उत्तर प्रदेश बोर्ड से 76% अंक प्राप्त हुए। आगे मैं विज्ञान के क्षेत्र में कैरियर बनाना चाहता हूं। विज्ञान प्रगति में हमेशा नवीनतम ज्ञान प्रकाशित होता है जोकि मुझे बहुत पसंद है। अंत में विज्ञान प्रगति की टीम को हमारी तरफ से हार्दिक अभिनंदन एवं बधाई।

श्री शिव कुमार चौहान, प्लाट सं. 4, सिंह एन्क्लेव, प्रेम नगर-3, कीर्ति सुलेमान नगर, नई दिल्ली 110 086
[मो. : 09015351243, 08750580459;
ई-मेल : chauhanshiv989@gmail.com]

मार्गदर्शक पत्रिका

मैं औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, (आई.टी.आई.) पूसा, नई दिल्ली का अंतिम वर्ष का छात्र हूं तथा विज्ञान प्रगति का नियमित पाठक हूं। मेरे जीवन में विज्ञान पढ़ने के पीछे विज्ञान प्रगति का हमेशा से अहम् स्थान रहा है। विज्ञान प्रगति में हमेशा कुछ नया ज्ञान, जानकारियां एवं विविध प्रकार के प्राकृतिक, भौगोलिक, खगोलीय, चिकित्सा के क्षेत्र एवं अन्य कई महत्वपूर्ण पहलुओं का समावेश व संयोजन रहता है। विज्ञान प्रगति के दिसम्बर 2014 के अंक की आमुख कथा 'नोबल पुरस्कार 2014' तथा विशेष लेख 'नोबल पुरस्कारों के 113 वर्ष महिलाओं की भागीदारी

मात्र 5 प्रतिशत' एवं 'इसरो : भविष्य के मिशन' ज्ञानवर्द्धक लगे। मेरी तरफ से विज्ञान प्रगति की टीम को हार्दिक अभिनंदन।

श्री पंकज कुमार, सुपुत्र श्री उमा शंकर, ई-10, ए-63 सी.पी.जे. सेकंड, न्यू सीलमपुर, दिल्ली 110 053
[मो. : 09953336128, 09899560683]

अनमोल पत्रिका

मैं विज्ञान प्रगति का पिछले 3 वर्षों से नियमित पाठक हूं। मुझे विज्ञान प्रगति बहुत ही रोचक, ज्ञानवर्द्धक पत्रिका लगती है। मुझे दिसम्बर 2014 का अंक बहुत ही रोचक लगा। इसमें छपी आमुख कथा, विशेष लेख, वर्ग पहेली बहुत ही ज्ञानवर्द्धक लगे। मुझे इसके प्रत्येक अंक का बेसब्री से इंतजार रहता है। इस पत्रिका में मुझे विज्ञान की बहुत महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है। विशेष लेख 'नोबल पुरस्कारों के 113 वर्ष महिलाओं की भागीदारी मात्र 5 प्रतिशत' बहुत रुचिकर लगा। मैं इसके लिए संपादक मंडल को धन्यवाद देता हूं।

श्री अजय कुमार प्रभाकर, सुपुत्र श्री सुरेश चन्द्र, 409, मो. बिजलीपुरा, निकट नलकूप नं.-12 जि.-शाहजहांपुर 242 001 (उ.प्र.)
[मो. : 08303897702]

ज्ञानवर्द्धक पत्रिका

हम बी.एससी. (तृतीय वर्ष) के छात्र हैं तथा विज्ञान प्रगति का पिछले चार वर्षों से रसपान कर रहे हैं। इससे हमारे ज्ञान में निरन्तर बढ़ातरी हो रही है और यह पत्रिका हमारे व्यक्तित्व निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। नवम्बर 2014 का फोरेंसिक साइंस पर दिया गया विशेषांक खासकर पसंद आया। आपसे विन्रम निवेदन है कि आप 'एण्टीमैटर', डार्कमैटर, ब्लैक होल के बारे में भी हमें जानकारी प्रदान करें जिससे हमारे ज्ञान में और भी चार चांद लग जाएं। हमारे जैसे कई और छात्र व छात्राएं हैं जो भौतिकी से बहुत लगाव रखते हैं। विज्ञान प्रगति की समस्त टीम को हार्दिक शुभकामना व साधुवाद। कुछ पंक्तियां विज्ञान प्रगति के संदर्भ में :

रख हौसला वो मंजर भी आएगा,
प्यासे के पास समंदर भी आएगा,
थक कर ना बैठ वो मंजिल के मुसाफिर
तुझे विज्ञान प्रगति भी मिलेगी और पढ़ने का मजा भी आएगा।

श्री चन्द्रभूषण दूबे एवं श्री निखिल कुमार, के. बी. (पी.जी.) कॉलेज, मिर्जापुर (उ.प्र.)
[मो. : 09621565949; 07499710796]

उत्कृष्ट पत्रिका

मैं विज्ञान प्रगति का वर्ष 2004 से नियमित पाठक हूं। वैज्ञानिक जगत की विभिन्न अवधारणाओं/कार्यप्रणाली व समसामयिक विज्ञान लेखों के लिये यह एक उत्कृष्ट पत्रिका है। कभी-कभी कहा जाता है कि विज्ञान ने मानव को सार्वभौमिक विनाश के हथियार उपलब्ध कराये लेकिन मेरा मानना है कि विज्ञान ने मानव को सदैव वरदान ही दिया है यह तो मानव की कुबुद्धि है जो विनाश के लाभकारी पक्ष के बजाय उसके विनाशकारी भाग का उपयोग करता है। इसका प्रमाण डायनामाइट के आविष्कारक अल्फ्रेड नोबल हैं जिन्होंने अपनी वसीयत में लिखा था कि मेरी जमा पूंजी के तहत उन लोगों को वैश्विक स्तर पर पुरस्कृत किया जाये जिनके कार्य मानव जीवन व मानवता के उन्नयन से संबंधित हों और इसमें सबसे प्रतिष्ठित शान्ति का नोबल पुरस्कार है। श्रीमती तृप्ति पाण्डेय का लेख 'नोबल पुरस्कारों के 113 वर्ष महिलाओं की भागीदारी मात्र 5 प्रतिशत' पढ़कर बहुत आश्चर्य हुआ कि किस तरह विश्व की पहली महिला वैज्ञानिक मैरी क्यूरी को कितनी कठिनाइयों व संघर्ष के उपरान्त भी वह प्रतिष्ठित पद शैक्षणिक जगत में नहीं मिला जिसकी वह हकदार थी। स्वतंत्रता, समानता व बन्धुत्व का विश्व संदेश देने वाले फ्रांस ने भी मैरी क्यूरी को विज्ञान अकादमी पद से इसलिए हटा दिया क्योंकि वह एक महिला थीं। सुलेखा जोशी का लेख 'पर्यावरण संरक्षण और भारतीय नारी' निश्चित रूप से भारत के पर्यावरण संरक्षण में उसके ऐतिहासिक काल से आधुनिक काल तक स्वर्णिम योगदान को रेखांकित करता है। श्रीमती अमृता देवी बिश्नोई, श्रीमती गौरी देवी, बीना अग्रवाल, सुनीता नारायण, वंदना शिव तथा सी. के. जानू के कार्य निश्चित रूप से प्रशंसनीय हैं।

श्री महेन्द्र कुमार नवल, सुपुत्र श्री सुरान चन्द नवल, जटियो का बास, सोजत सिटी, पाली (राजस्थान)
[मो. : 07568364282
ई-मेल : mahandernawal@gmail.com]

उत्साहवर्द्धक अंक

मैं विज्ञान प्रगति की नियमित पाठिका हूं। मुझे दिसम्बर 2014 का अंक मिला तो मैं फूले नहीं समायी। मुझे यह पत्रिका काफी रोचक एवं ज्ञानवर्धक लगी मैं विज्ञान वर्ग की कक्षा 12 की छात्रा हूं और विज्ञान प्रगति से मुझे पढ़ाई में भी काफी सहायता मिलती है। मुझे इस अंक की आमुख कथा 'नोबल पुरस्कार 2014' काफी रोचक लगी। इसमें भौतिक, रसायन, जीव तथा चिकित्सा वैज्ञानिकों के बारे में गहराई से जानकारियां मिलीं जो काफी प्रेरणादायक रहीं। सवाल-जवाब के जरिये नवीन प्रश्नों की जानकारी मिली। इस में मुझे सबसे अच्छा लगा तृप्ति पाण्डेय का विशेष लेख 'नोबल पुरस्कार के 113 वर्ष महिलाओं की भागीदारी मात्र 5 प्रतिशत' जो मेरे दिल को छू गई। इसमें हम जैसी लड़कियों को जूझते हुए आगे बढ़ने की राह दिखाई गई है। इसमें मैडम क्यूरी के बारे में पढ़कर बहुत दुख हुआ कि उन्होंने किस प्रकार कांटों पर चलते हुए अपना पूरा जीवन विज्ञान को समर्पित कर दिया। इससे गांव में रहने वाली हम जैसी लड़कियों को सीख लेनी चाहिए। साधना श्रीवास्तव का लेख 'भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् के बढ़ते कदम' काफी रोचक लगा। 'अंतरिक्ष विज्ञान : इसरो भविष्य का मिशन' लेख भी महत्वपूर्ण था। विज्ञान प्रश्न भी अच्छा लगा एवं 'कमला सोहनी की चित्रकथा काफी लोकप्रिय लगी। इसी के साथ नये साल 2015 की हार्दिक शुभकामनाएं।

कु. नेहा कुमारी गुप्ता, सुपुत्री श्री रामबाबू प्रसाद गुप्ता, गुप्ता साइकिल स्टोर, बैंक ऑफ इंडिया के सामने, पो. - चैनपुर, सीवान 841 203 (बिहार)

महत्वपूर्ण अंक

विज्ञान प्रगति का दिसम्बर 2014 का अंक पढ़कर मुझे बहुत प्रसन्नता हुई। विज्ञान प्रगति अपने आप में एक रहस्यमयी पत्रिका है। मुझे इस अंक में विशेष लेख 'नोबल पुरस्कारों के 113 वर्ष महिलाओं की भागीदारी मात्र 5 प्रतिशत' काफी अच्छी लगी। इसमें मुझ जैसी लड़कियों को आगे बढ़ने का रास्ता मिलता है। मैरी क्यूरी की जीवनी से उन लड़कियों को सीख लेनी चाहिए जो आर्थिक स्थिति से जूझ रही हैं तथा उनमें कुछ करने का साहस है। मुझे इस अंक में नोबल पुरस्कार 2014 के बारे में पूर्ण जानकारियां मिलीं जो काफी महत्वपूर्ण लगीं। सवाल-जवाब स्तंभ भी ज्ञानमयी था। इस अंक में साधना श्रीवास्तव का लेख 'भारत आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् के बढ़ते कदम' काफी महत्वपूर्ण लगा। महान नारियां स्तंभ में मुझे पर्यावरण को समर्पित बीना अग्रवाल, सुनीता नारायण, वंदना शिवा, सी. के. जानू को करीब से जानने का अवसर मिला। इस में 'मंगल मिलन मंगल का' लेख भी रोचक लगा जिसके जरिये मुझे मंगलयान की सफलता के बारे में पूर्ण जानकारियां प्राप्त हुईं। इसी के साथ नये वर्ष 2015 की हार्दिक शुभकामनाएं।

कु. अंशु कुमारी गुप्ता, सुपुत्री श्री सत्यनारायण गुप्ता, गुप्ता साइकिल स्टोर, बस स्टैंड, बैंक ऑफ इंडिया के सामने, पो. - चैनपुर, सीवान 841 203 (बिहार)

पर्यावरण रक्षक पत्रिका

मैं जनवरी 2014 से विज्ञान प्रगति का नियमित पाठक हूं। पहले भी विज्ञान से जुड़े हर प्रयोग को करना मुझे बहुत रोमांचक लगता था। जब मेरे गुरूजी ने मुझे विज्ञान प्रगति के बारे में बताया तो मैं फूला नहीं समाया। उन्होंने मुझे विज्ञान प्रगति की बहुत सारी प्रतियां पढ़ने के लिए दीं जिनसे मुझे विज्ञान के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां मिलीं। मेरा भी लक्ष्य है कि मैं आगे चलकर वैज्ञानिक बनूं और नए-नए प्रयोग कर अपने राष्ट्र का झंडा पूरे विश्व में लहराऊं। मुझे नवम्बर 2014 का अंक बहुत अच्छा लगा। उसमें हमने आतिशबाजी का पूरा लुफ्त उठाया। विज्ञान प्रगति एक पर्यावरण रक्षक पत्रिका भी है। मैं अपने दोस्तों को भी विज्ञान प्रगति पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करूंगा।

श्री प्रभात कुमार, सुपुत्र श्री मुकेश प्रसाद सिंह, ग्रा.-रसलपुर, पो.-हथियावां, ब्लॉक - शेखपुरा, जिला - शेखपुरा 811 105 (बिहार)
[मो. : 09661147590, 07564899088]